

### असाधारण

# EXTRAORDINARY

भाग II-खण्ड 3-उपसण्ड (1)

PART II-Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं > 170]

नई विल्ली, बुषबार, मई 25, 1977/ज्येष्ठ 4, 1899

No. 170]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 25, 1977/JYAISTHA 4, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सकी।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

### NOTIFICATION

Customs

New Delhi, the 25th May 1977

G.S.R. 253(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 32 of the Finance Act, 1976 (66 of 1976) and in continuation of the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking (Revenue Wing) No. 33-Customs, dated the 11th March, 1977, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts industrial diamonds, whether natural or synthetic, in dust or in powder form, falling within Chapter 71 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India from—

(a) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the said First Schedule as is in excess of 40 per cent ad-valorem and (b) the whole of the auxiliary duty of customs leviable thereon under sub-section (1) of section 32 of the said Finance Act.

[No. 67/F. No. 355/129/77~Cus-I]

M. JAYARAMAN, Under Secy.

# राजस्य ग्रीर वेकिंग विभाग

(राजस्य पक्ष)

भ्रधिसूचना

सीमा-श्लक

नई दिल्ली. 25 मई, 1977

सा० का० नि० 253 (ग्र).—केन्द्रीय सरकार, वित्त मधिनियम, 1976 (1976 का 66) की धारा 32 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क भ्राधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झौर भारत सरकार के राजस्य श्रीर बैंकिंग विभाग (राजस्व पक्ष) की श्रधिसूचना स० 33 सीमा-शुल्क नारीख 11 मार्च, 1977 के प्रनुक्रम में, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित मे भ्रावण्यक है, सीमा-शुल्क टैरिफ भ्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अध्याय 71 के अन्तर्गत आने वाले औद्योगिक हीरी को, चाहे वे प्राकृतिक हो या सक्लिब्ट, धूल या पौउडर के रूप मे जब उनका भारत मे श्रायात किया जाए,—

- (क) उक्त प्रथम प्रनुसूची मे विनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय सीमा-शुल्क के उंतने भाग से, जितना मूल्य के 40 प्रतिशत से श्रधिक है, भौर
- (ख) विशा अधिनियम की धारा 32 की जपधारा (1) के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त ग्रतिरिक्त सीमा-गुल्क से ,

छ्ट देती है।

सि० 67 फा० में० 355/129 77- गी⇒ ग. – Ii

एम० जयरामन, भवर सचित्र ।